Manjoor Khan "Manganiar "

Director - SARWAR FOLK MUSIC INSTITUTE, DEDARIYAR

INTERNATIONAL FOLK ARTISIT PLAYNG DHOLAK AND KHARTAL

ORGANIZERS ALL KINDS OF RAJASTHANI GROUPS

Visit us - **www.manganiyar.in**

QUATATION

Four different types of Rajasthani folk group's

1. Minimum 5 artist Rajasthani folk song and Sufi song with their instruments like kamaycha, kartal, dholak, harmoniyam , vocal = including fair cost 1.2 lac Only

2. 7 to 10 artist with Rajasthani Dance like kalbeliya, bhavai, terhtali, chari, ghumer= including fair cost 2.5 lac

3. Dessert symphony 25 artist with all Rajasthani instruments and dance = including fair cost 3.2 lac

4. Boxes show." Manganiyar's from the dessert "we have two different kinds of shows

- 16 artist with set = including fair cost -5.5 lac
- 35 artist with set = including fair cost -7.2 lac

Our Group

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Manjoor Khan is a name that finds special mention and great respect among the folk music circuits of Rajasthan. Today he sings a wide repertoire of traditional Folk- and Sufi songs. The special style of the Manganiyar Folk Music called Jangra includes a universe of songs for all occasions in life. From traditional wedding songs to welcome songs for a new born child; especially the happy occasions of life are accompanied by the strong and colorful songs of the Manganiyar Musicians Manjoor and his group organization and collaboration with organization have presented the extraordinary western Rajasthan traditional music world wide. They have given the shows in more than 40 countries some of the countries and where group showed their music and art appreciated ere

"Manjoor Khan professional Muslim folk musicians belonging to Jaisalmer, Barmer, parts of Jalor, Bikaner and Jodhpur districts in Western Rajasthan. Like other hereditary caste musicians, they cultivate a close relationship to their patrons. Since generations they provide musical service to their patrons to receive cattle, camels, goats or cash as gift."

International Shows

They have given the shows in more than 40 countries some of the countries and where group showed their music and art appreciated ere.

Paris

Switzerland

New York

Washington

Los Angeles

Chicago

San Francisco

Singapore

Russia

Australia

Quarasia

Dubai

Ireland

Muscut

Ireland

Spain

Iran

Viana

Itlay

Lahore

London

Honkong

Brazil

Bangkok

Abu Dhabi

Germany

Spain

Iran

Viana

Itlay

Lahore

London

Honkong

Brazil

Bangkok

Music Instrument

Music is a prime part of Rajasthani culture, which displays all aspects of Rajasthan culture. Rajasthani music and songs talk about its rich past by many religious and devotional songs and dramas. Various traditional musical instruments like Dholak, Ektara, matas, nagada, chang, kamayacha, sarangi, sitar are commonly used in all types of music.

- **Kamayacha**
- **Kartal**
- **Murli**
- **Dholak**
- **Morchang**
- **Algoja**
- **Dhol**
- **Bhapang**

Songs

- **Rajasthnai Folk**
- **Bhakti song**
- **Sufi Song**
- **Sindhi Song**
- **Kalaam**
- **Gazals**
- **Hindi**
- **Qawali**

Dance

- Kalbelia
- Bhawai
- Chakri
- Ghoomer
- Teratali
- Chari
- Drum Dance
- The Fire Dance

Awards

मरुधारा
द्वारा
मरुमेले में बाल कलाकारों का सम्मान

राजस्थान की धरा पर वहाँ की बहुआयामी और बहुरंगी सांस्कृतिक धारा को प्रवाहमान बनाए रखने वाले बाल कलाकारों पर ''मरुधारा'' को गर्व है । इनके द्वारा लोककला अपने निज स्वरुप में अगली पीढ़ी तक सुरक्षित रहेगी ।

''मरुमेला'' के रुप में आयोजित एक भव्य सांस्कृतिक समारोह में मंजूर खान मांगणियार (ग्राम : देधड़ियार) को भुवालका जनकल्याण पुरस्कार से पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया ।

पूर्ण विश्वास है कि यह बालकलाकार इस परम्परा को अपनी निरन्तर साधना एवं सृजनात्मक प्रतिभा से सारे देश एवं विश्व में लोकप्रिय बनाने में सफल होगा ।

सम्मान सहित
मरुधारा
''गोकुल''
६, मर्लिन पार्क
कलकत्ता-७०० ०१९

शनिवार
१८ दिसंबर १९९९

भवदीया :

अध्यक्षा : मरुधारा ट्रस्ट

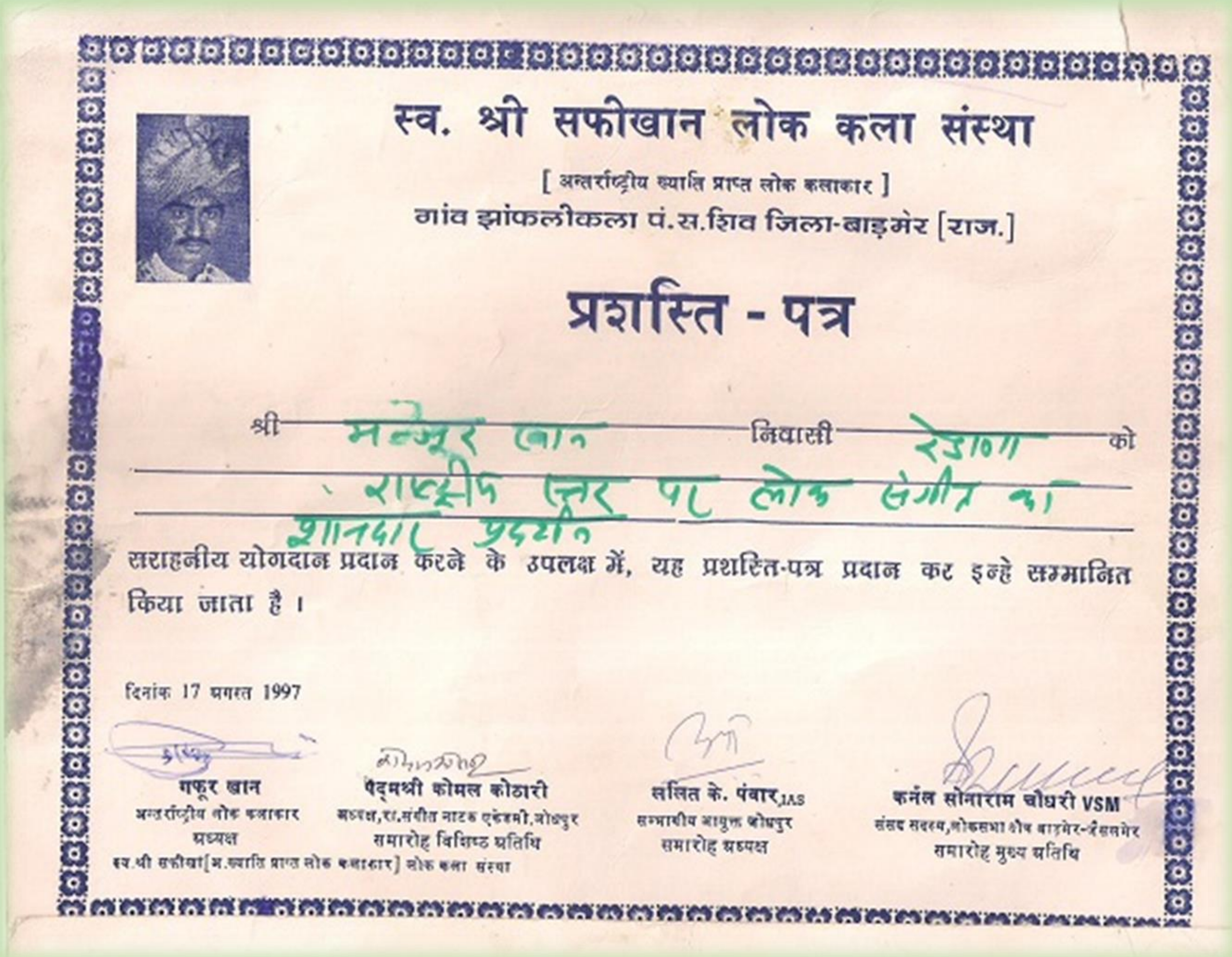

स्व. श्री सफीखान लोक कला संस्था

[अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक कलाकार]

गांव झांफलीकला पं.स.शिव जिला-बाड़मेर [राज.]

प्रशस्ति - पत्र

श्री मन्जूर खान निवासी रेडाणा को राष्ट्रीय स्तर पर लोक संगीत का शानदार प्रदर्शन

सराहनीय योगदान प्रदान करने के उपलक्ष में, यह प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर इन्हे सम्मानित किया जाता है ।

दिनांक 17 अगस्त 1997

गफूर खान	पैद्मश्री कोमल कोठारी	ललित के. पंवार, I.A.S	कर्नल सोनाराम चौधरी VSM
अन्तर्राष्ट्रीय लोक कलाकार	अध्यक्ष, रा. संगीत नाटक एकेडमी, जोधपुर	सम्भागीय आयुक्त जोधपुर	संसद सदस्य, लोकसभा क्षेत्र बाड़मेर-जैसलमेर
अध्यक्ष	समारोह विशिष्ठ अतिथि	समारोह अध्यक्ष	समारोह मुख्य अतिथि

स्व.श्री सफीखां [अ.ख्याति प्राप्त लोक कलाकार] लोक कला संस्था

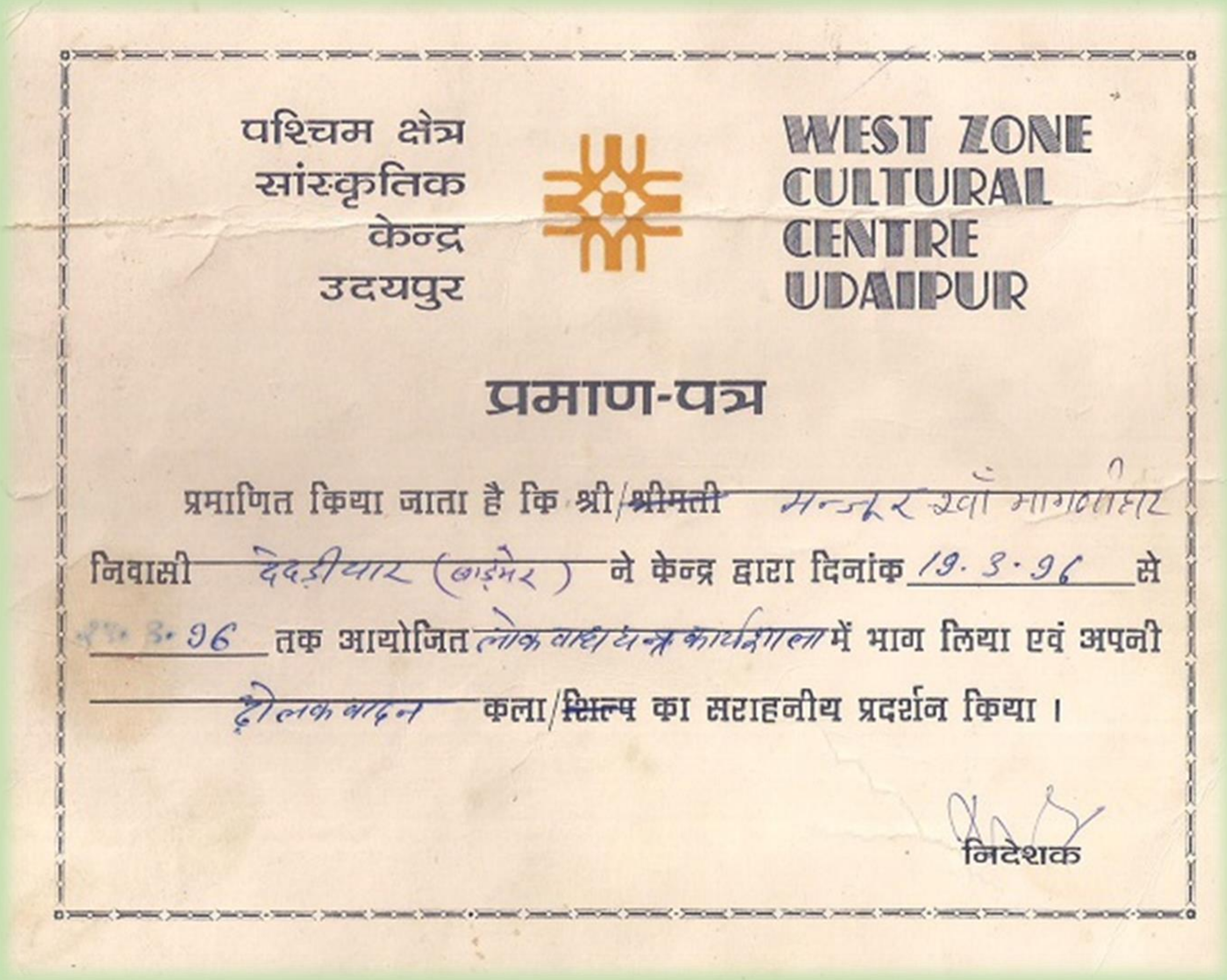

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर

WEST ZONE CULTURAL CENTRE UDAIPUR

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/~~श्रीमती~~ मन्जूर खाँ मागणीयार निवासी देदड़ीयार (बाड़मेर) ने केन्द्र द्वारा दिनांक 19.3.96 से 23.3.96 तक आयोजित लोक वाद्य यन्त्र कार्यशाला में भाग लिया एवं अपनी ढोलक वादन कला/~~शिल्प~~ का सराहनीय प्रदर्शन किया।

निदेशक

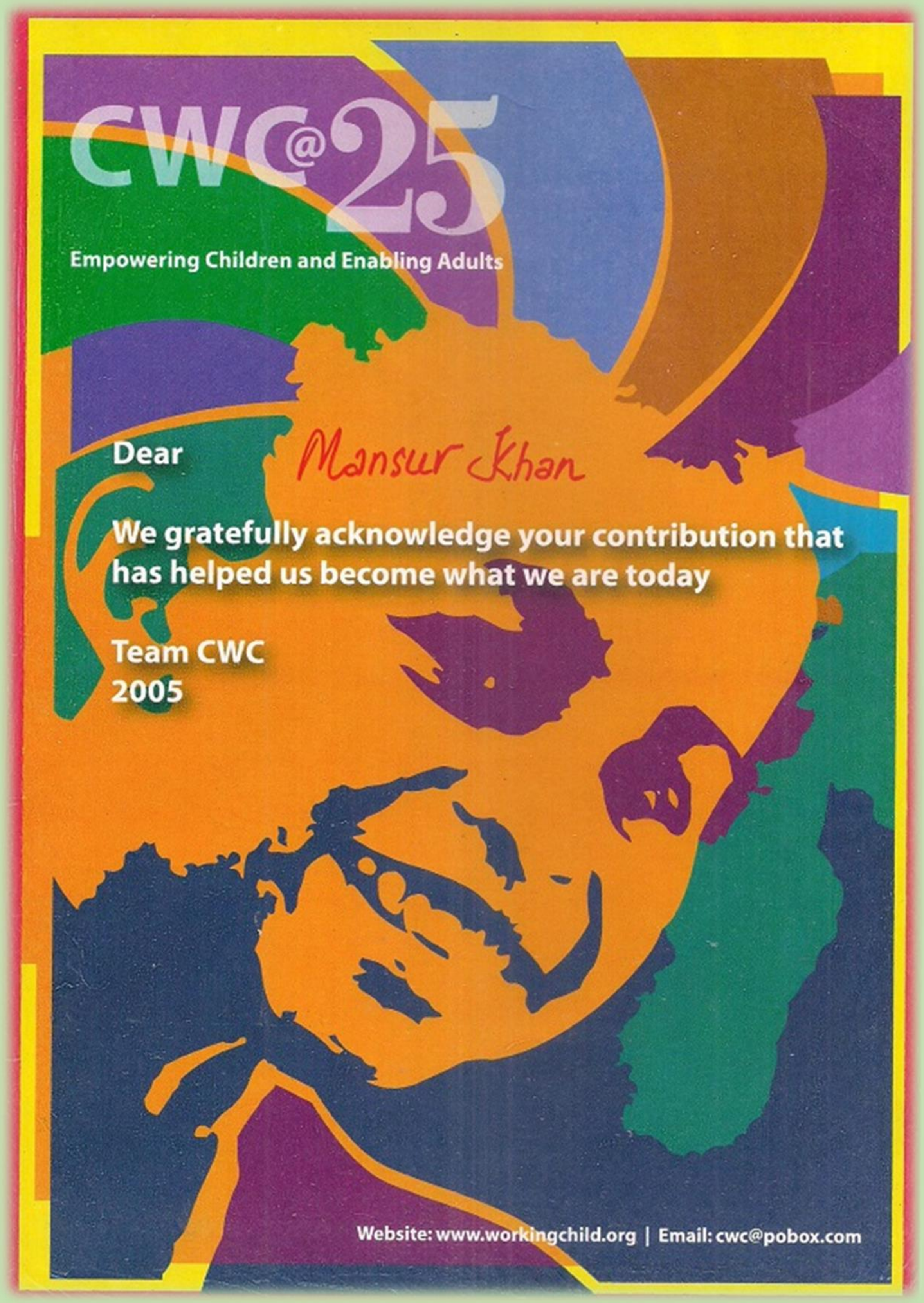
CWC@25
Empowering Children and Enabling Adults
Dear
Mansur Khan
We gratefully acknowledge your contribution that has helped us become what we are today
Team CWC
2005
Website: www.workingchild.org | Email: cwc@pobox.com

In The Name of God

Dear artist Mr Manjoor Khan

From Country India

In gratitude for your present

in 21 th International Fadjr Music Iestival

this memorial is granted to you.

Dr. Homafar
Chief Center Music
Tehran -2006

Farzin Pirouzpay
Director International Affairs

महाराणा प्रताप जयन्ति समारोह - 2011..

प्रशस्ति-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/श्रीमती........मंजूर खाँ मांगणियार........

प्रद/निवासी........देदड़ियार (बाड़मेर)........द्वारा महाराणा प्रताप जयन्ति

समारोह 2011...में....सांस्कृतिक संध्या में........भाग लेकर योगदान प्रदान किया गया।

एतदर्थ इन्हें सम्मानार्थ यह प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है।

स्थान : कुम्भलगढ़
दिनांक :..4/6/2011...

प्रधान
पंचायत समिति कुम्भलगढ़

मुख्य अतिथि

उपखण्ड अधिकारी
कुम्भलगढ़

जयपुर विरासत फाउन्डेशन, जयपुर

द्वारा आयोजित

न्यू वॉइस ऑफ राजस्थान कार्यशाला - 2005

के अन्तर्गत

प्रमाणित किया जाता है कि सुश्री/श्रीमती /श्री मंजूर खां

निवासी देदड़ियार ने जयपुर विरासत फाउन्डेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ढोलक विधा के अन्तर्गत प्रतिभागी के रूप में दिनांक 4 मई से 6 मई, 05 तक प्रशंसनीय योगदान दिया।

तदर्थ यह प्रमाण -पत्र सहर्ष प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

जोन सिंह
ट्रस्टी, जयपुर विरासत फाउण्डेशन

विनोद जोशी
लोक-कला कार्यक्रम समन्वयक

पश्चिम क्षेत्र
सांस्कृतिक
केन्द्र
उदयपुर

WEST ZONE
CULTURAL
CENTRE
UDAIPUR

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती मन्जूर खाँ भिखारखाँ निवासी जैसलमेर, राजस्थान ने केन्द्र द्वारा दिनांक 5 जनवरी 95 से 15 जनवरी 95 तक आयोजित लोकोत्सव-95, बम्बई में भाग लिया एवं अपनी राजस्थानी लोकगायन कला/शिल्प का सराहनीय प्रदर्शन किया।

निदेशक

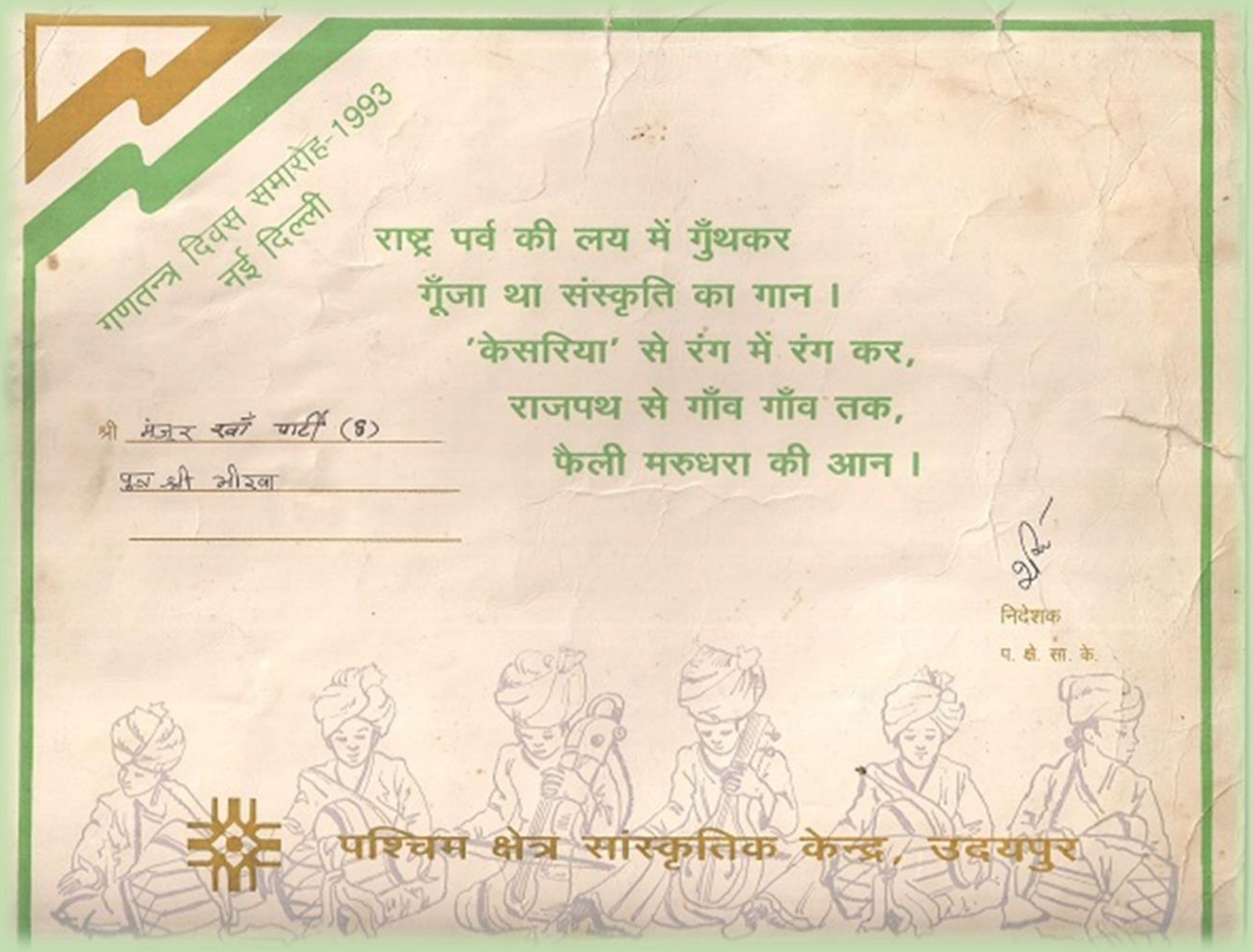

गणतन्त्र दिवस समारोह-1993
नई दिल्ली

राष्ट्र पर्व की लय में गुँथकर
गूँजा था संस्कृति का गान ।
'केसरिया' से रंग में रंग कर,
राजपथ से गाँव गाँव तक,
फैली मरुधरा की आन ।

श्री मंजर खाँ पार्टी (8)

पुत्र श्री भीखा

निदेशक

प. क्षे. सां. के.

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर

WEST ZONE CULTURAL CENTRE, UDAIPUR

KAL KE KALAKAR '95

A Festival of young Traditional Performers
on
10 - 14 November at SHILPGRAM
16 - 20 November at New.Delhi

Dear ......MANZOOR KHAN, Dedadiyar, Barmer

Your participation in Kal Ke Kalakar '95 made this festival a success. We wish you a bright future in all your endeavour.

Place...NEW DELHI...

Director
W.Z.C.C.

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर

कल के कलाकार '95

बाल कलाकारों का सांस्कृतिक संगम
10 - 14 नवम्बर 1995 शिल्पग्राम
16 - 20 नवम्बर 1995 नई दिल्ली

प्रिय ...मन्जुर खान देदड़ीयार, बाड़मेर...

कल के कलाकार '95 में सम्मिलित हो कर आपने इसे सफल बनाया है। हम आपके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

स्थान ...नई दिल्ली...

निदेशक
प.क्षे.सां.के.

प्रशस्ति–पत्र

छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर, रायपुर में संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से **24 जून 2004** को आयोजित **सांस्कृतिक संध्या** में श्री मंजूर खां, बाड़मेर राजस्थान ने **लांगा–मांगणियार/कालबेलिया** की प्रस्तुति दी। इनकी प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय रही।

मैं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

24 जून 2004
रायपुर

(बृजमोहन अग्रवाल)
मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन
संस्कृति, गृह, जेल, श्रम, पर्यटन,
धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास

Certificate Of Partcipation
Rafi Peer Theatre Workshop
recognizes and appreciates
the participation of
Mr. Manzoor Khan
In making the
World Performing Arts Festival 2006
a success
Puppet
Film
Theatre
Dance
Music
Faizaan Peerzada
President
Saadaan Peerzada
Chairman
Usmaan Peerzada
CEO

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

प्लॉट-15ए, सेक्टर-7, द्वारका, पप्पनकलाँ, नई दिल्ली ● Plot-15 A, Sector-7, Dwarka, Pappankalan, New Delhi

प्रमाणित किया जाता है कि

श्री मंजूर खाँ

ने 3 से 8 अप्रैल, 2002 तक नई दिल्ली में "विविधता में एकता" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया है ।

this is to certify that

Sh. Manjur Khan

has attended the workshop on "unity in diversity" organised at new delhi from april 3 to 8, 2002.

(सुरेन्द्र कौल)
महानिदेशक

(Surendra Kaul)
Director General

Media

राजस्थान युवक मंडल के तत्वावधान में हुई राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या में मांग्न्यार ग्रुप ने दी

राजस्थानी लोककला की अविस्मरणीय प्रस्तुति

जमशेदपुर : देश की गंगा जमुनी तहजीब की नजीर आज देखने को मिली साकची स्थित राजेन्द्र विद्यालय प्रेक्षागृह में, जब राजस्थान के पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र से आये पेशेवर कलाकार मंजूर खान ने सांस्कृतिक संध्या का आगाज गणेश वंदना से किया. मौका था जुगसलाई स्थित राजस्थान युवक मंडल के तत्वावधान में आयोजित राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या का. 6 सदस्यीय दल के साथ तकरीबन 3 घंटे तक लगातार एक से बढ़ कर एक पस्तुतियों ने दर्शकों को बांधे रखा . खड़ी बीकानेरी मारवाड़ी भाषा में गए गए गीतों के प्रवाह में दर्शकों का लगाव अपनी माटी से होता चला गया और उम्रदराज लोगों के जेहन में पुरानी संस्कृति और लोकाचार की यादें ताजा हो गयीं. पूरी प्रस्तुति मारवाड़ी में हुई और देशी वाद्य यंत्रों पर मंजूर खान के ग्रुप ने खूब तान साधी . घुम्मकड़ी और बंजारा जाति से ताल्लुक रखने वाली इन कलाकारों ने कालबेलिया, भवई, घूमर और तेरह ताली जैसी नृत्य पेश कीं. राग गन्धर्व, ध्रुपद और सूफियाना अंदाज में मारवाड़ी गीतों को इस समूह ने गाया. लय के उतार चढ़ाव को बांधते हुए मंजूर खान, जाकब खान, जमील खान, दरे खान, लतीफ़ खान, तलब खान, श्रीमती धापो देवी, सुश्री इंदु जी ने गायन और नृत्य के जरिये राजस्थानी मिट्टी की खुशबू बिखेर कर आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया. 'केशरिया बालम पधारो म्हारे देश', 'ढोल रे म्हारो गोरबंद नखरालो', 'काल्यो कूद पड्यो मेला' आदि गानों को गाया खान ग्रुप ने.

एक एकड़ जमीन की तलाश : काबरा

अपने अध्यक्षीय संबोधन में मंडल के अध्यक्ष श्रवण काबरा ने कहा कि विद्यालय के सफल संचालन के लिए प्रबधन की ओर से एक एकड़ जमीन कि खोजबीन जारी है. जहाँ से प्रशासनिक कार्य भी होंगे और सामाजिक गतिविधियाँ भी संचालित हो सकेंगी.

कौमी एकता की मिसाल बना आयोजन

मंजूर खान ग्रुप ने कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से करते हुए जब गाया 'महाराज गजानंद आओ जी म्हारी सभा में रंग बरसाओं जी.' तो हॉल में बैठे दर्शकों के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा.

खड़ताल, मोरचक और ढोलक की जुगलबंदी ने मन मोहा

मंजूर खान ग्रुप में ढोलक पर खुद मंजूर खान थे और खड़ताल पर लतीफ़ खान व तलब खान थे. तीनो ने पंद्रह मिनट की एकल और युगल जुगलबंदी कर दर्शकों का मन मोहा. ज्ञात हो कि खड़ताल मांग्न्यार जाती का पारंपरिक वाद्य यन्त्र है और चार लकड़ी के टुकड़ों से बना यह यंत्र इस जाती के अलावा और कोई भी नहीं बजाता है. ठीक वैसे ही कामांचा नाम का वाद्य यंत्र इस जाती की पहचान का वाद्य यंत्र है. इससे पूर्व मंडल के अध्यक्ष श्रवण काबरा, राजस्थान सेवा सदन अस्पताल के अध्यक्ष बालमुकुन्द गोयल, साहित्यिक संस्था 'सुरभि' के अध्यक्ष गोविन्द दोदराजका, सिंहभूम चैम्बर के उपाध्यक्ष अशोक भालोटिया, जीवन नरेडी आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया . संचालन स्कूल सचिव बिश्वनाथ शर्मा ने किया. इस मौके पर कोल्हान के पूर्व कमिश्नर राकेश कुमार, मुरलीधर केडिया, केदारमल पलसानियां, कवि नरेश अग्रवाल, आर एन राणासरिया, निर्मल काबरा, महेशचंद्र शर्मा, आर एन गुप्ता, भरत वसानी, भंवरलाल खंडेलवाल, शंकरलाल गुप्ता, शंकर मित्तल, किशोर तापड़िया, बजरंग लाल अग्रवाल, बनवारी लाल खंडेलवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, श्री अग्रवाल, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

Visit us - **www.manganiyar.in**

राजस्थान युवक मंडल की ओर से राजेंद्र भवन साकची में राजस्थानी लोक संगीत का आयोजन

केशरिया बालम आवणी पधारो म्हारो देश

राजस्थान युवक मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करतीं कलाकार।

DB स्टार जमशेदपुर

कालो गयो रे गयो, मेड़ा में लायो लकड़ी.... व केशरिया बालम आवणी पधारो म्हारो देश रे.. राजस्थानी गीत पर कलाकारों ने शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। इस वक्त राजेंद्र भवन प्रेक्षागृह राजस्थान की संस्कृति में रंग गई। मौका था गुरुवार को राजस्थान युवक मंडल द्वारा साकची के राजेंद्र भवन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का। इस दौरान राजस्थान से आए मांग्न्यार ग्रुप के कलाकारों ने शानदार तरीके से गीत संगीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से की गई। इसके बाद राजस्थान की प्रसिद्ध नृत्य कालबेलिया, भवई, बुमर, तेरहततली (सिर पर घड़ा रखकर की जाने वाली नृत्य), कच्ची घोड़ी (घोड़े का वेश धारण कर नृत्य) नृत्य की प्रस्तुति दी गई। मंडल अध्यक्ष श्रवण काबरा ने स्वागत भाषण दिया व महासचिव विश्वनाथ शर्मा ने संचालन किया। कोल्हान के पूर्व आयुक्त राकेश कुमार ने कार्यक्रम में शिरकत किया।

दर्शक दीर्घा में बैठे लोग।

इन कलाकारों ने दी प्रस्तुति : मंजूर खान, याकूब खान, जमील खान, दूरे खान, तलब खान, लतीफ खान, धापू देवी, कुमारी इंदू।

Visit us - **www.manganiyar.in**

सतरंगी सुरों पर थिरके कदम

■ 'जोधपुर रिफ-2013' का आयोजन

जोधपुर, (एस आर अहमद) : मेहरानगढ़ दुर्ग में 'जोधपुर रिफ-2013' में देश-विदेश के लोक कलाकारों ने अपनी कला व लोक वाद्यों के माध्यम से देर रात तक सुरों की सरिता बहाई। उनकी प्रस्तुतियों पर दर्शक थिरकने को मजबूर हो गए।

इन कलाकारों ने दर्शकों की जमकर वाहवाही लूटी। रिफ के मुख्य संरक्षक महाराजा गजसिंह जी भी इस दौरान उपस्थित थे। मेहरानगढ़ दुर्ग के सम्राट चौक में आयोजित लिविंग लिजेण्ड कार्यक्रम में राजस्थानी लोक कलाकारों के कार्यक्रम में डोडे खान फकीर, मिश्री खान व हकीम खान मांगणियार तथा कमला देवी ने राजस्थानी लोक वाद्यों के माध्यम से लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। उन्होंने अपने हर लोकगीत पर उपस्थित सैकड़ों दर्शकों की तालियां बटोरी।

जोधपुर में आयोजित रिफ-2013 में प्रस्तुति देते लोक कलाकार।

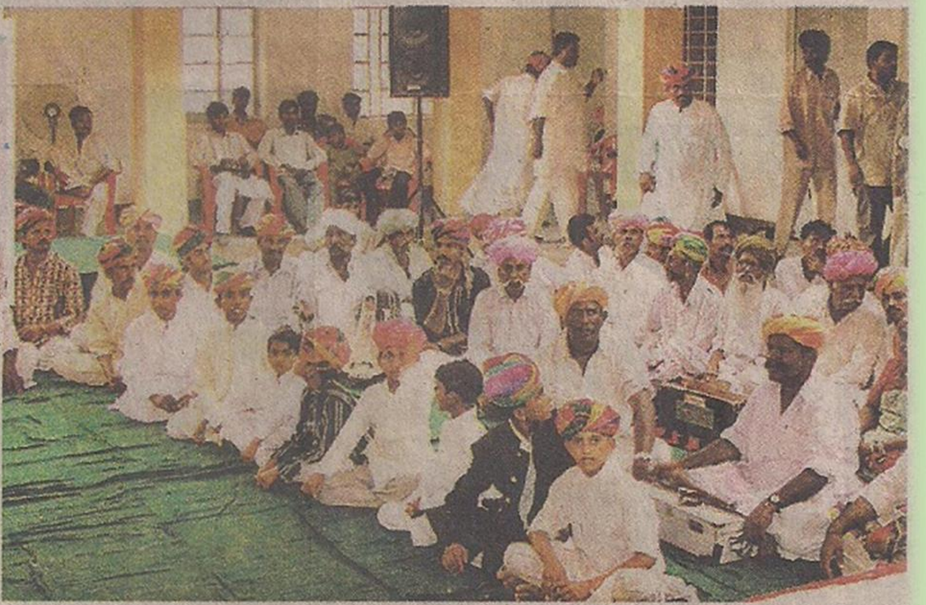

विदेश जाने वाले लोक कलाकारों के सम्मान में स्वरुप लोक संगीत संस्थान द्वारा आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते जिला कलक्टर विनोद पंड्या। पत्रिका।

बस 'उन्हें' दीवाना कर दूं

विदेश जाने वाले कलाकारों को दी विदाई

कार्यालय संवाददाता
जैसलमेर, 27 जून

मारवाड़ की संस्कृति से विदेशी मेहमानों को रू-ब-रू करवाने के लिए जिले के 10 बाल लोक कलाकारों इटली की राजधानी रोम जाएंगे।

इस दल में क्षेत्र के 50 कलाकार शामिल हैं। उनके सम्मान में बुधवार को स्वरुप लोक संगीत संस्थान के तत्वावधान में एवं जागृति संस्थान भादासर के सहयोग से महिला छात्रावास में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदेश यात्रा को लेकर बाल कलाकारों में काफी उत्साह है। उत्साहित बाल कलाकारों ने कहा कि बस इतनी ख्वाहिश है कि 'उन्हें' दीवाना कर दूं। ये कलाकार रोम में आंबबाड़ी, राजद, अल्फा इनविन उनविन इनविन, नुक्काजर सूफी कलाम की प्रस्तुति देंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला कलक्टर विनोद पंड्या ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिले के लोक

आदर्श महाविद्यालय
द्वितीय विस्तार, कमला नेहरू नगर, जोधपुर
फोन: 2754810, मो. 98290-26928
ADMISSIONS OPEN
M.Sc - बायोटेक्नोलॉजी, वनस्पति विज्ञान
B.Sc - बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रोनिक्स, कम्प्यूटर विज्ञान, PCM & CBZ
BCA & PGDCA
(Office Timing 8.30 am - 4.00 pm noon)
Tejraj Panwar, Secretory — Er. Kailash Parihar, Director

कलाकारों ने विदेशों में थार संगीत की मिठास बिखेर कर मरुप्रदेश का नाम व प्रदेश व देश की ख्याति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाई है।

विदेश जाणो चोखो लागे

नींबली गांव के 13 वर्षीय लाला खां अपने विदेश भ्रमण से काफी उत्साहित नजर आया। केरालिया गांव के निवासी दस वर्षीय सवाईखां व आठ वर्षीय लादू खां भी पहली बार विदेश जाने के कारण फूले नहीं समा रहे थे। बाघलेसर गांव के 12 वर्षीय जबलखां, लाणेला गांव के 11 वर्षीय स्वरुप खान व बछिया गांव के निवासी 12 वर्षीय सदीक खान भी इटली जाकर अपने संगीत की स्वर लहरियों को विदेशी मेहमानों के दिलों की गहराइयों में उतारकर दीवाना बनाने की ख्वाहिश रखते हैं।

इनका हुआ अभिनन्दन

कार्यक्रम में जिला कलक्टर द्वारा इटली जाने वाले ख्यातनाम लोक कलाकार राणेखां, पेपेखां, दराखां, मंजूरखां, देऊखां व बाल कलाकार स्वरुप खां, सदीकखां, लादूखां व जबलखां को दुपट्टा पहनाकर उनका अभिनन्दन किया गया

इन्होंने दी प्रस्तुतियां

विदाई समारोह में फ्रांस के लोक कलाकार एटीयान ने बांसुरी पर लोक गीत के माध्यम से संगीत का प्रस्तुतिकरण किया। स्वरुप लोक संगीत संस्थान के संस्थापक देऊखान ने संस्था का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

रोम में मचेगी धूम

इटली की राजधानी रोम में यहां के ख्यातनाम कलाकार संगीत की स्वर लहरियां बिखेरेंगे। पेपेखां, राणेखां, दरेखां, गाजीखां, मुंगरेखां, गफूरखां, खोटे खां के साथ ही बाल कलाकार व अन्य कलाकार भी अपनी संगीत कला की प्रस्तुतियां देंगे।

Printemps des Comédiens
Domaine d'O
178 rue de la Carriérasse
Parc Euromédecine. 34097 Montpellier Cédex 5
Tél : 04 67 63 66 67. Fax : 04 67 04 21 50
Site internet : www.printempsdescomediens.com

LA ROUTE TSIGANE

Revue de presse

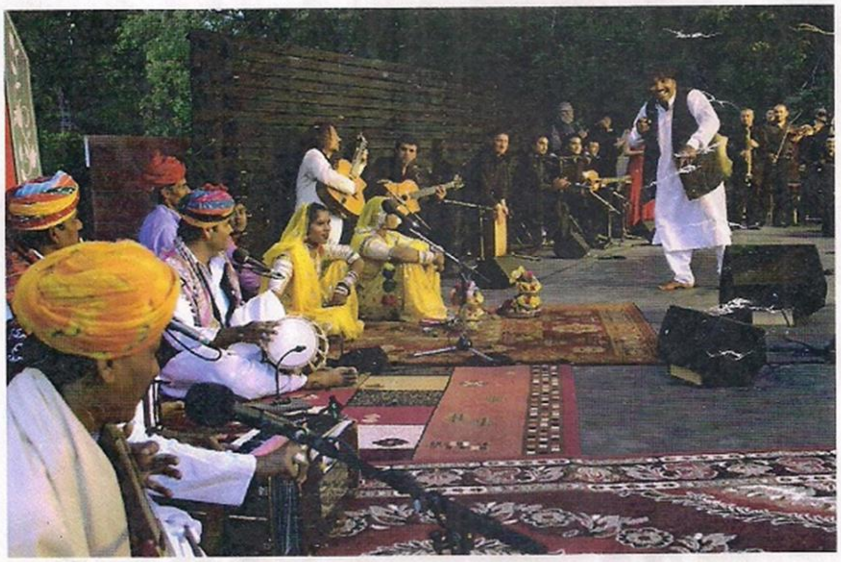

Du 3 au 27 juin 2010 (Relâche dimanche 6 et les lundis) **à 18h**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Desert Music

Asian Music Circuit

presents

Rajasthan meets Mali

Featuring Afel Bocoum

A unique collaboration bringing together the contrasting yet connected sounds of the desert

Sunday 19 May	*Bath Festival, Guildhall*
Friday 24 May	*Debenham, Suffolk, Community Centre*
Saturday 25 May	*De Montfort Hall, Leicester*
Sunday 26th May	*Stanwix Arts Theatre, Carlisle*
Wednesday 29th May	*Salisbury Festival, Arts Centre,*
Thursday 30th May	*Ystradgynlais Miners Welfare, Swansea*
Friday 31st May	*Theatr Mwldan, Cardigan*
Saturday 1st June	*Queen Elizabeth Hall, London*

Visiting Arts

Funded by THE ARTS COUNCIL OF ENGLAND

Visit us - **www.manganiyar.in**

केसरिया बालम आओ नि पधारो म्हार देश...

रांची जिमखाना क्लब में लोक नृत्य करती व राजस्थानी गीत प्रस्तुत करते कलाकार. तसवीरें पिंटू की.

जिमखाना में राजस्थानी लोकगीत-संगीत का कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

रांची, 12 नवंबर : *केसरिया बालम आओ नि पधारो म्हारे देश......., लड़ री लुंबा झुंबा गोरबंद म्हारो......*समेत एक-एक कर कई गीत राजस्थान से आये कलाकारों ने जिमखाना परिसर में गाये. यहां आज शाम राजस्थानी गीत-संगीत का कार्यक्रम आयोजित था. इस मौके पर समूचा क्लब परिसर राजस्थान की कला-संस्कृति में रंगा था. राजस्थान से आये मेहमान कलाकारों के साथ-साथ कई मेजबान भी राजस्थानी वेशभूषा में नजर आये. कार्यक्रम स्थल को भी राजस्थान की ग्रामीण परिवेश में बदल दिया गया था.

राजस्थान से आये मांगनियार कबीले के कलाकार शहनाई, मुरली व मोरचंगवादक पेपा खान के नेतृत्व में अपनी कला के जलवे बिखेरे. खेता खान व मो खान के सुरीले राजस्थानी गीतों पर कमायचा वादक दरा खान, ढोलकवादक मंजूर खान, खड़ताल वादक देउ खान ने संगत की. उक्त कलाकारों ने स्वागत गीत के अलावा बारात जाने के पूर्व ऊंट के श्रृंगार के समय गाये जानेवाले गीत गोरबंद, सावन में पति के परदेश में रहने पर पत्नी द्वारा गाये जानेवाले विरह के गीत के साथ-साथ मीरा, कबीर आदि के भजन भी गाये गये. राजस्थानी कलाकारों ने दमादम मस्त कलंदर....., सूफी गीत रंग ही रंग बनाया...., अखड़ियो मेघ मल्हार..... निमुड़ा-निमुड़ा.....आदि गाये. कार्यक्रम का हिस्सा बनन के लिए जिमखाना क्लब के सदस्य सपरिवार मौजूद थे. इस आयोजन में कार्यक्रम आयोजन समिति की रिंकू लोहिया, स्मिता खेमका, वंदना मोदी, मनीषा बुधिया, अंजू मोदी, अचला सिंह आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

फ्रांस व स्वीट्जरलैंड में गाना सबसे अच्छा लगता है : खेता

रांची, 12 नवंबर : देश-विदेश में जहां भी गीत-संगीत के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित होते हैं, वहां राजस्थानी मांगनियार संप्रदाय के गीत-संगीत से जुड़े कलाकार जरूर जाते हैं. मांगनियार संप्रदाय के दस हजार से अधिक लोग अपने इस परंपरागत पेशे से अब भी जुड़े हैं. जैसलमेर-बाड़मेर में पर्यटन व्यवसाय का रूप ले चुका है, इसलिए मांगनियार संप्रदाय के लोक कलाकारों की कद्र काफी बढ़ गयी है. उक्त बातें राजस्थान से आये मांगनियार लोकगीत-संगीत के कलाकार खेता खान ने कही. उन्होंने आज **प्रभात खबर** से विशेष बातचीत की. खेता खान ने बताया कि उनकी टीम अक्सर विदेशी दौरे पर रहती है. वे अपनी कला के जलवे अमेरिका, लैटिन अमेरिका, जापान, अफ्रीका, इस्राइल समेत यूरोप के कई देशों में बिखेर चुके हैं. फ्रांस व स्वीट्जरलैंड में कार्यक्रम पेश करना सबसे अच्छा लगता है. खेता खान ने बताया कि वह अपनी टीम के साथ झारखंड दूसरी बार आ रहे हैं. उन्होंने बताया कि वे राजस्थान में शादी, बच्चे के जन्म आदि के मौके पर यजमान के यहां मांगनियार गीत-संगीत पेश करते हैं. इसके अलावा वे वहां के राजा-महाराजाओं के वीर गाथाओं को भी आदि काल से पेश करते आ रहे हैं.

राजस्थानी व्यंजन का लुत्फ उठाया

कार्यक्रम में उपस्थित लोग.

रांची : जिमखाना क्लब में आज शाम आयोजित राजस्थानी गीत-नृत्य के कार्यक्रम के दौरान लोगों के लिए राजस्थानी व्यंजन की विशेष व्यवस्था की गयी थी. यहां लगाये गये स्टलों में राजस्थानी व्यंजन बाटी, दाल चुरमा, आलू चोखा, लहसून चटनी, दही बाड़ा, कांजी बाड़ा, मोठ चाट, बनारसी पूड़ी, मूंगदाल चिल्ला, राजस्थानी चाय आदि परोसे गये. यहां राजस्थानी पान की भी विशेष व्यवस्था की गयी थी.

मनमोहक कालबेलिया नृत्य भी आकर्षण का केंद्र

रांची : राजस्थानी कला संस्कृति के रंग में रंगे जिमखाना क्लब में मांगनियार लोक कलाकारों के गीत-संगीत की धुनों पर मनमोहक नृत्य करती बालाएं भी नजर आयीं. राजस्थान के कालबेलिया संप्रदाय की बालाएं खातू व धापू काले कपड़े व आभूषण से लदीं विशेष अंदाज पर नृत्य कर रही थीं. यहां कालबेलिया नृत्य के अलावा कठपुतली नृत्य का भी आयोजन किया गया.

Visit us - **www.manganiyar.in**

सरहदी इलाके की लोककला और संस्कृति से रूबरू हुए प्रधानमंत्री

लोक कलाकारों ने मोहा मनमोहन का मन

भास्कर न्यूज . बाड़मेर

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह रामसर स्थित सोनिया चैनल के निरीक्षण के दौरान यहां लगाई गई बाड़मेर के हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी देखकर अभिभूत हो उठे। लोक-कलाकारों ने परंपरागत वाद्य यंत्रों की धुन पर केसरिया बालम आवो नी गीत प्रस्तुत कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने लोक कलाकारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और इनके निराकरण का आश्वासन दिया।

सोनिया चैनल का निरीक्षण करने रामसर पहुंचे प्रधानमंत्री ने यहां लगाई गई बाड़मेर उत्पादों की प्रदर्शनी को बारीकी से देखा। इस दौरान प्रधानमंत्री बाड़मेर के नक्काशीदार फर्नीचर देखकर काफी प्रभावित हुए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री को प्रदर्शनी में स्थापित ऊंटगाड़ा कार्यशाला की स्टॉल पर रखे ऊंटगाड़े दिखाकर रेगिस्तानी इलाके में इनके महत्व के बारे में बताया।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने हस्त शिल्पियों से विभिन्न उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया के बारे में भी पूछा। इस अवसर पर मगराज जैन, लता कच्छवाह, नरेन्द्र तनसुखाणी, अबरार मोहम्मद आदि ने स्थानीय उत्पादों के बारे में जानकारी दी।

प्रधानमंत्री को भेंट की कशीदाकारी से बनी तस्वीर और जूतियां: हस्तशिल्प की स्टॉल पर प्रधानमंत्री को हस्तशिल्पी नाथूराम जीनगर ने मोकलसर की जूतियां भेंट की। इसी तरह महिला कलाकारा निर्मला देवी ने कशीदाकारी से निर्मित फ्रेम पर बनी खुद मनमोहनसिंह की तस्वीर भेंट की।

बाड़मेर जिले के अन्तरराष्ट्रीय लोक कलाकारों के स्वागत गीत का लुत्फ उठाते प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह। इनसेट में सोनिया चैनल के पास लगी प्रदर्शनी में हस्तशिल्पी महिला निर्मला देवी प्रधानमंत्री को आरी-तारी से बनाई गई उनकी खुद की तस्वीर भेंट करती हुई।

लोक कलाकारों ने सुनाई प्रधानमंत्री को पीड़ा: प्रदर्शनी स्थल पर लोक कलाकारों ने प्रधानमंत्री के आगमन पर राजस्थानी स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा लौटते समय उनको अपनी पीड़ा सुनाई। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के विवाह समारोह में अलगोजे का जादू बिखेर चुके लोक कलाकार धोधे खां ने प्रधानमंत्री से मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग की। इसी तरह फकीरा खां एवं अन्य लोक कलाकारों ने बाड़मेर की लोक कलाकार कॉलोनी में पट्टे दिलवाने और लोक कलाकारों को विशेष पैकेज दिलाने की भी मांग की। इस पर [illegible]धानमंत्री ने इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का आ[illegible] दिया।

Highlighting the best of India's wide-ranging traditions, Kala Viraasat is a unique endeavour and the first of its kind in Mumbai. The festival has featured the best and the most elegant presentations over the past two years and has received an overwhelming response from the connoisseurs.

Now for the third consecutive year IndusInd Bank and Banyan Tree come together to bring Kala Viraasat alive with yet another enchanting bouquet of performances by the unsurpassed geniuses from India and other countries.

Day 1 : Friday, 26th August 2011

Taal India a vibrant percussion ensemble of folk and classical drums from across India, Taal India features the most popular as well as rare, exotic folk and classical instruments like Pung, Dhol, Khadtaal, Dholak, Mirav, Edakka, Chenda and Tabla. A Banyan Tree concept and presentation, in March 2011 Taal India was among the most popular events that were presented at the Kennedy Centre, Washington D.C. for the Maximum India Festival and received an overwhelming response.

Odissi Undoubtedly one of the most graceful dance styles, identified with the difficult posture of Tribhanga and ornamental patterns of body movements, the Odissi dancers narrate the divine mythological stories of India. Known for her brilliant group choreography, internationally acclaimed danseuse Madhavi Mudgal and her group will present three specially choreographed compositions: Gangastavan, Vistaar and Kumar Sambhavam.

Kathak
Bringing an era of Kathak alive and binding the Mumbaikars under his spell will be the living legend, Padmavibhushan Pt. Birju Maharaj whose performances have enthralled the audiences across the world for decades creating an aura of awe around

'धरती धोरी री...' से फैली राजस्थानी महक

राजेंद्र विद्यालय प्रेक्षागृह में नृत्य से राजस्थानी महक बिखेरतीं नर्तकियां जागरण

राजेंद्र विद्यालय प्रेक्षागृह में राजस्थानी लोक नृत्य की धूम

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : दुनिया के लगभग 80 देशों में राजस्थान की धरती की महक बिखेर चुके मांग्न्यार ग्रुप ने गुरुवार को जमशेदपुर को भी राजस्थानी मिट्टी की खुशबू से सराबोर कर दिया। इस ग्रुप के कलाकारों ने 'धरती धोरी री...' गीत के जरिए राजस्थान के श्रृंगार और राजस्थान की धरती की महिमा का बखान किया। राजस्थान युवक मंडल के तत्वावधान में राजेंद्र विद्यालय ऑडिटोरियम में गुरुवार की शाम को आयोजित राजस्थानी लोक नृत्य पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश करते हुए ग्रुप के सभी मुस्लिम कलाकारों ने गणेश वंदना 'महाराज गजानन अजी आओजी म्हारी सभा म...' से की। इसके बाद 'केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश...' प्रस्तुत किया। अब बारी आई राजस्थान व पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्र के सपेरों के लोक नृत्य कालबेलिया की। 'ढोला रे म्हारो गोवंद नखरालो...' गीत पर इंदु सपेरा देवी व धापू ने बड़ा ही चित्ताकर्षक नृत्य पेश किया। नृत्य के दौरान आंखों की पलकों के बीच अंगूठी दबा कर जब नर्तकियों ने कमाल के करतब पेश किए तो दर्शक वाह-वाह कर उठे।

कलाकार

मंजूर खान (टीम लीडर ढोलक), याकूब खान (हारमोनियम), जमील खान (कौरस), दरें खान (कमांचा), लतीफ खान (खड़ताल व मोरचक), तलब खान (कोरस), इंदू व धापू (नर्तकी)।

ग्रुप के कलाकार लतीफ खान ने एक तार के वाद्य यंत्र मोरचक पर राजस्थानी लोक गीत की बहुत ही मधुर धुन निकाली। इसके बाद ग्रुप ने मांग्न्यार जाति ने बहुत पुराने लोक गीत 'निमुड़ा-निमुड़ा...' को पेश किया। नृत्य व गीत का यह सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। नर्तकियों ने घूमर नृत्य भी पेश किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान खड़ताल और ढोलक की कमाल की जुगलबंदी नुमाया हुई। इसके पूर्व युवक मंडल के अध्यक्ष श्रवण काबरा, बालमुकुंद गोयल, गोविंद दोदराजका, अशोक भालोटिया और जीवन नरेडी ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कोल्हान के पूर्व आयुक्त राकेश कुमार, मुरलीधर केडिया, केदार मल पल्सानिया, बजरंग लाल अग्रवाल, किशोर तापड़िया व खजांची लाल मित्तल मौजूद थे।

राजस्थानी लोकनृत्य ने बांधा समां

जमशेदपुर। जोधपुर के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मांगन्यार ग्रुप ने राजेंद्र विद्यालय ऑडिटोरियम में राजस्थानी लोकनृत्य की प्रस्तुति से गुरुवार की शाम सुरमयी बना दी। ग्रुप के मुखिया मंजूर खान के नेतृत्व में आठ सदस्यीय टीम ने एक से बढ़कर एक नृत्य शैली में हृदयस्पर्शी प्रस्तुति से समां बांधा।

राजेंद्र विद्यालय प्रेक्षागृह में गुरुवार को राजस्थान युवक मंडल द्वारा आयोजित राजस्थानी लोकनृत्य समारोह में प्रस्तुति देती मांगन्यार ग्रुप की सदस्य। • हिन्दुस्तान

आचो बोलो रे मोरिया...

मंजूर खान, याकूब खान, जमील खान, दर्रे खान, लतीफ खान, तलब खान, धापू देवी एवं कुमारी इंदू ने परंपरागत राजस्थानी लोकगीतों पर भवई, कच्ची घोड़ी, घूमर, कालबेलिया आदि लोकनृत्य का जलवा बिखेरा। इनकी लयबद्ध नृत्य शैली ने दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर किया। धरती धोड़ा री..., दमादम मस्त कलंदर..., निम्बुड़ा निम्बुड़ा... और मोरिया आचो बोलोयो रे... परंपरागत गीतों पर धापू और इंदू ने दिल की धड़कन तेज करने वाली नृत्य की प्रस्तुति दी।

इनका रहा योगदान

राजस्थान युवक मंडल जुगसलाई के तत्वावधान में राजस्थानी लोकगीतों पर आधारित सांस्कृतिक संध्या का उद्घाटन समाजसेवी बालमुकुंद गोयल ने दीप जलाकर किया। मंडल के अध्यक्ष श्रवण काबरा ने स्वागत और महासचिव कमल कुमार नरेडी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। स्कूल सचिव बीएन शर्मा ने कलाकारों से परिचय कराया। मौके पर महेंद्र गढ़वाल, किशोर तापड़िया, बजरंग लाल अग्रवाल भी मौजूद थे।

राजस्थानी लोक नृत्य संध्या में लोक धुनों पर झूमे श्रोता

महाराज गजानंद आओ नी

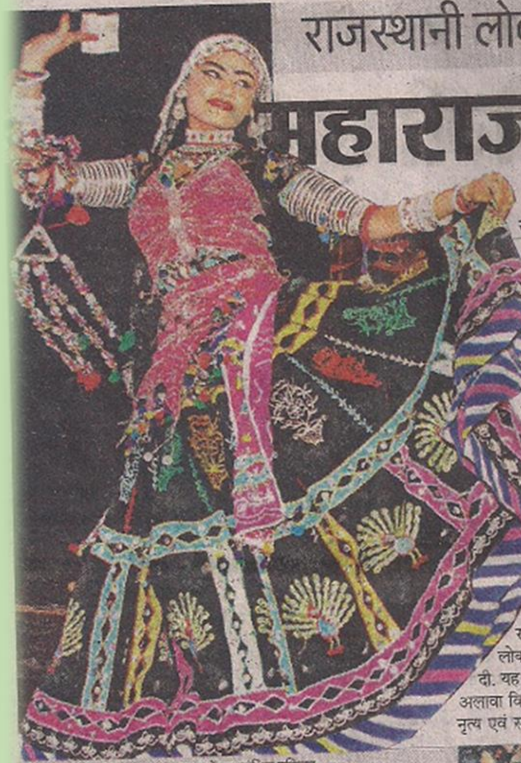

संवाददाता. जमशेदपुर

राजस्थानी मिट्टी की खुशबू बिखरते हुए सदियों पुराने वाद्य यंत्रों से निकले सुरों की झंकार, जिससे सुर मिलाते हुए मधुर कंठ से लोकगीत की तान ने लौह नगरी के दर्शकों को राजस्थान की सैर करा दी. मौका था राजस्थान युवक मंडल, जुगसलाई द्वारा राजेंद्र विद्यालय में आयोजित. राजस्थानी लोकनृत्य पर आधारित सांस्कृतिक संध्या का, जिसमें संगीत एवं सुरों के सरताज मांन्यार ग्रुप ने राजस्थानी लोक गीतों एवं लोक नृत्य की अनोखी प्रस्तुति दी. यह ग्रुप देश के विभिन्न भागों के अलावा विदेशों में भी राजस्थानी लोक नृत्य एवं संगीत से दर्शकों का दिल तो जीता ही है, साथ ही अपनी संस्कृति को जीवंत रखते हुए अपने पारंपरिक एवं वाद्य यंत्रों से ही संगीत के सुर सजाते हैं. राजस्थानी लोक नृत्य आधारित इस शाम में मंडल अध्यक्ष श्रवण कावरा, महासचिव विश्वनाथ शर्मा, कमल नरेड़ी, किशोर तापड़िया, महेंद्र गढ़वाल आदि समाज के वरिष्ठ लोगों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इसके बाद मांन्यार ग्रुप के उस्ताद मंजूर खान ने अपने कलाकारों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए राजस्थानी गीत 'महाराज गजानंद आओ नी, म्हारो अंगना में रंग बरसाओ जी...' के माध्यम से भगवान गणेश की वंदना की. प्रेम नगरी राजस्थान की याद ताजा करते हुए आगे मांन्यार ग्रुप ने 'केसरिया बालम आओ नी...' गीत प्रस्तुत किया, जिस पर सारे दर्शक ताल देने को मजबूर हो गये. वहीं, ग्रुप की नृत्यांगना दापू देवी एवं इंदु के नृत्य ने लोगों को उनके साथ नाचने के लिए विवश कर दिया.

दीप प्रज्वलित कर हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ.

कलाकारों का संक्षिप्त परिचय

उस्ताद मंजुर खान - देश ही नहीं, विदेशों में भी राजस्थानी कला संस्कृति की सुगंध पहुंचाने में योगदान दे रहे हैं. ख्याति के अलावा वे कई पुरस्कारों व सम्मान से नवाजे जा चुके हैं.

लतीफ खान- खड़ताल (एक वाद्य) बजाने में माहिर हैं. अपनी कला से वे विदेशों में भी पहचान बना चुके हैं.

जमीर खान - राजस्थानी लोक गीत बिना आधुनिकता की चादर ओढ़े गाते हैं. उनके कंठ से निकले गीत लोगों को राजस्थान की याद दिलाते हैं.

दापू-इंदु- 17 वर्षीय इंदु ने अपनी बुआ दापू से लोक नृत्य की शिक्षा ग्रहण की है. दापू बताती हैं कि इस गीत व नृत्य में लोगों की दिनचर्या, प्रेम, आपसी मेल मिलाप आदि जुड़े हुए हैं.

Direct Montpellier 3 juin 2010

la route tsigane

Tsigane.- Durant toute la durée du Printemps des Comédiens, qui ouvre ce soir, "La route tsigane", le spectacle de Daniel Bedos, ravira le public en lui faisant découvrir l'univers plein de poésie des tsiganes. Petite ballade.

Un Printemps Tsigane

Coup d'envoi d'un mois de voyage au domaine d'O

Une pointe de violon, un accord de guitare, une marionnette, un cheval, puis un ours, qui fend la foule pour nous montrer le chemin ! "La route tsigane", le spectacle déambulatoire créé par Daniel Bedos, marque le coup d'envoi du "Printemps des Comédiens". Tous les jours à 18 h et durant 2 heures, une vingtaine d'artistes vous prendront par la main pour vous faire découvrir les richesses de la culture tsigane en voyageant depuis l'Inde jusqu'aux confins de l'Espagne en passant par les Balkans. Tout au long de ce chemin artistique que l'on suit à l'ombre des arbres du domaine d'O, le public est tour à tour subjugué par les mélodies mystiques des Manganyars, Indiens du Rajasthan, troublé par les danses ancestrales Kathak, Bhavai et Teratali, ou admiratif devant les dresseurs de chevaux ou d'ours. Enfin, il se surprend presque à danser lui même grâce à la virtuosité de Urs Karpatz et de Ana la China et son groupe de flamenco. Ça y est ! C'est enfin le "Printemps" et ses spectacles qui régaleront les spectateurs avides de culture et de poésie, mais aussi les flâneurs qui prendront joie à ne rien faire, tout simplement, à l'ombre des micocouliers. *Antoine Jaunin*

▸ "La route tsigane", tous les jours (sauf lundi) à 18 h au domaine d'O.

Si vous êtes perdus, vous n'avez qu'à suivre la musique magique des Manganyars ! Ph N Guyonnet

L'ours, animal profondément bon pour les Tsiganes, nous montre le chemin *(photo haut)*, **après les tournoiements d'une danseuse Chakri** *(gauche)* **et les prouesses du dompteur Jocelyn Petat** *(photo bas)*.

AUJOURD'HUI

Au programme du Printemps aujourd'hui, le spectacle *"Rien dans les poches"* du Cirque Romanès, qui entend nous transmettre sa culture légendaire de la fête. Sur scène, jongleurs, contorsionnistes, funambules, trapézistes et danseurs défilent dans la joie, accompagnés de musiciens tsiganes talentueux. Cette compagnie est dirigée par Alexandre Romanès, fils Bouglione, qui a quitté les fastes et le cirque de ses parents à l'âge de 20 ans dans les années 70 pour vivre de son art et de ses propres ailes.

▸ "Rien dans les poches", ce soir, demain et samedi à 19 h 30 au domaine d'O. 11 / 24 €. Réservation et informations sur www.printempsdescomediens.com

14 | दैनिक जागरण हिसार, 24 दिसंबर 2011

जागरण सि
हिसार

आओ नी पधारो म्हारे देश...

हकृवि में आयोजित कार्यशाला में आए किसानों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

हिसार : हकृवि में आयोजित किसान नवप्रवर्तन राष्ट्रीय कार्यशाला में सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते प्रतिभागी।

हिसार, वरिष्ठ संवाददाता : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान नवप्रवर्तन राष्ट्रीय कार्यशाला में आए किसानों के लिए शुक्रवार को देर सायं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विवि के छात्र कल्याण निदेशालय की टीम ने हरियाणवी सांस्कृतिक से ओतप्रोत कार्यक्रम से हुई। इसके बाद राजस्थान से आए कलाकारों ने केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश, राजस्थान का लोक प्रचलित निंबुड़ा के साथ-साथ भंवई व कालबेलिया नृत्य प्रस्तुत किया तो सभागार में उपस्थित किसानों ने तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। इसके बाद हरियाणा के प्रसिद्ध गायक महावीर गुड्डू व उनकी टीम ने शिव विवाह बम्ब लहरी की आकर्षक प्रस्तुति दी। इसके अलावा गुलाब सिंह खांडवाल ने भी इस मौके पर लोकगीत प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विवि के कुलपति डॉ. केएस खोखर, अनुसंधान निदेशक डॉ. आरपी नरवाल, डॉ. जेएस धनखड़, किसान आयोग के अध्यक्ष डॉ. आरएस परौदा व

बाड़मेर कलाकार ईरान पहुंचे

- सहकार समाचार

बाड़मेर, 17 जनवरी। अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त लोकगायक

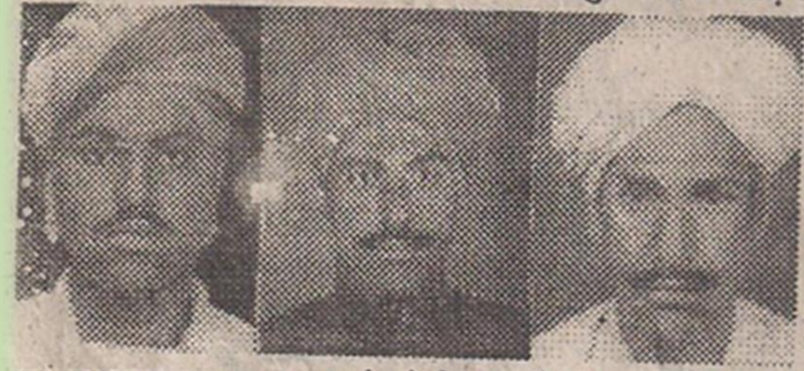

एवं खड़ताल वादक गफूर खां मांगणियार निवासी झाफलीकला अपने दल के साथ ईरान की यात्रा पर गए हैं। भारतीय सांस्कृतिक संबंध एवं परिषद नई दिल्ली के तत्वाधान में रूपायन संस्थान की ओर से ईरान पहुंचा यह दल ईरान के विभिन्न शहरों में अपनी प्रस्तुतियां देगा। बाड़मेर से ईरान जाने वाला यह पहला दल हैं। ईरान में यह दल 15 जनवरी से 24 जनवरी तक अपने सूफी कलाओं अन्तर्राष्ट्रीय ढोलक वादक मंजूर खां देदड़ियार देवु खां और कचरा खां अपनी प्रस्तुति देगे। बांबा बुल्लेशाह, शाह लतीफ, गुलाम फरीद कबीर मीरा एवं सूरदास की रची सूफियाना गजले प्रस्तुत की जाएगी।

Direct Montpellier 3 juin 2010

N° 641 - JEUDI 3 JUIN 2010 - Tél. 04.99.74.34.38 - www.directmontpellierplus.com

ETUDES SUPÉRIEURES : découvrez le guide pratique de l'étudiant 2010-2011 Cahier central

DirectMontpellier PLUS

PRINTEMPS DES COMÉDIENS : EN ROUTE AVEC LES TSIGANES

VELOMAGG
Et maintenant roulez en vélo électrique !

ÉCONOMIE
Budget Telecom fête ses 10 ans
Page 4

BOXE
Szikora défend son titre à Madrid

MÉTÉO DU JOUR
Un jour croco pris de la drogue et depuis crocodi
LA TEMPÉRATURE | LE CIEL
Matin 15 °C

Visit us - **www.manganiyar.in**

रविवार को टालीगंज क्लब प्रांगण में सूफी कलाम पेश करतीं सावन खां एंड पार्टी। पत्रिका

रूह को छू गई 'रूहानियत'

सूफी कलामों ने बांधा समां

कोलकाता, 6 दिसम्बर (कासं)। देश के अलग-अलग प्रांतों तथा इजिप्ट से आए कलाकारों ने सूफी संतों के कलामों को ऐसे सुर दिए कि श्रोता कभी झूमे, तो कभी मंत्रमुग्ध रह गए। टॉलीगंज क्लब के प्रांगण में रविवार को आयोजित कार्यक्रम 'रूहानियत' में कलाकारों की प्रस्तुतियां दिल को छू गई।

बनयान ट्री इवेंट्स की ओर से प्रस्तुत इस कार्यक्रम की शुरुआत राजस्थान के गुल्लू खां एंड पार्टी ने सूफी कलाम से की। इन्होंने मीरा के मीरा के दो कलाम पेश किए। इस पार्टी ने सांवरिया ने भूलू नहीं एक घड़ी..., कानूड़ो न जाने म्हारी पीड़... प्रस्तुत किया। सावन खां एंड पार्टी ने दो सूफी कलाम पेश किए। उनके कलाम इंतजारी में गुजारी... सुनकर लोग झूम उठे।

इसी तरह पंजाब से आए बरकत सिद्धू एंड ग्रुप ने हीर और दो सूफी कलाम पेश कर लोगों की जमकर तालियां बटोरी। इसके साथ ही मुरादाबाद के सरफराज चिस्ती एंड ग्रुप ने सूफी कव्वाली पेश कर लोगों को मोह लिया। इन सबके बीच बंगाल के बाउल गीत ने भी अपनी जगह बनाई। यहां की पार्वती बाउल ने बाउल तीन प्रस्तुतियां दी।

उधर, इजिप्ट की जुड़वा बहनों नगला और मोना ने 'अरेबिक सुफियाना मौसिकी' पेश कर लोगों का दिल जीत लिया। इन्होंने द लास्ट ऑफ प्रोफेट..., द वाइन शॉप ऑफ डेस्टिनी..., द स्पेश ऑफ याथ्रिब पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गजब की जुगलबंदी

दो देशों के सूफी कलाकारों ने 'रूहानियत' में ऐसी जुगलबंदी की कि लोगों के पांव थम गए। एक ओर राजस्थान के सूफी सुर के सितारे थे, तो दूसरी ओर मिस्र के सूफी संगीत के साधक थे, दोनों की जुगलबंदी लोगों को खूब भाई। शुरू में दो दूर देशों की जुगलबंदी लोगों को थोड़ी अलग-अलग लगी, लेकिन जैसे-जैसे सूफी कलाम की तान चढ़ती गई, सारी दूरियां मिट गई, दोनों स्वर एक हो गए, लोग स्तब्ध रह गए। लोगों कार्यक्रम का जमकर आनन्द लिया।

पार्वती बाउल

सरहदी इलाके की लोककला और संस्कृति से रूबरू हुए प्रधानमंत्री

लोक कलाकारों ने मोहा मनमोहन का मन

ास्कर न्यूज . बाड़मेर

धानमंत्री मनमोहन सिंह रामसर स्थित सोनिया ैनल के निरीक्षण के दौरान यहां लगाई गई ाड़मेर के हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी खकर अभिभूत हो उठे। लोक-कलाकारों ने ंपरागत वाद्य यंत्रों की धुन पर केसरिया बालम ाओ नी गीत प्रस्तुत कर प्रधानमंत्री का स्वागत ़या। प्रधानमंत्री ने लोक कलाकारों से ुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और इनके ााकरण का आश्वासन दिया।

सोनिया चैनल का निरीक्षण करने रामसर ुंचे प्रधानमंत्री ने यहां लगाई गई बाड़मेर त्पादों की प्रदर्शनी को बारीकी से देखा। इस ौरान प्रधानमंत्री बाड़मेर के नक्काशीदार नीचर देखकर काफी प्रभावित हुए। मुख्यमंत्री शोक गहलोत ने प्रधानमंत्री को प्रदर्शनी में थापित ऊंटगाड़ा कार्यशाला की स्टॉल पर रखे टगाड़े दिखाकर रेगिस्तानी इलाके में इनके हत्व के बारे में बताया।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने हस्त शिल्पियों से भिन्न उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया के बारे में ी पूछा। इस अवसर पर मगराज जैन, लता च्छवाह, नरेन्द्र तनसुखाणी, अबरार ोहम्मद आदि ने स्थानीय उत्पादों के बारे में ानकारी दी।

प्रधानमंत्री को भेंट की कशीदाकारी से नी तस्वीर और जूतियां: हस्तशिल्प की टॉल पर प्रधानमंत्री को हस्तशिल्पी नाथूराम ीनगर ने मोकलसर की जूतियां भेंट की। इसी रह महिला कलाकारा निर्मला देवी ने शीदाकारी से निर्मित फ्रेम पर बनी खुद नमोहनसिंह की तस्वीर भेंट की।

बाड़मेर, जिले के अन्तरराष्ट्रीय लोक कलाकारों के स्वागत गीत का लुत्फ उठाते प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह। इनसेट में सोनिया चैनल के पास लगी प्रदर्शनी में हस्तशिल्पी महिला निर्मला देवी प्रधानमंत्री को आरी-तारी से बनाई गई उनकी खुद की तस्वीर भेंट करती हुई।

लोक कलाकारों ने सुनाई प्रधानमंत्री को पीड़ा: प्रदर्शनी स्थल पर लोक कलाकारों ने प्रधानमंत्री के आगमन पर राजस्थानी स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा लौटते समय उनको अपनी पीड़ा सुनाई। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के विवाह समारोह में अलगोजे

मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग की। इसी तरह फकीरा खां एवं अन्य लोक कलाकारों ने बाड़मेर की लोक कलाकार कॉलोनी में पट्टे दिलवाने और लोक कलाकारों को विशेष पैकेज दिलाने की भी मांग की। इस पर "धानमंत्री ने इस संबंध में आवश्यक

Photo Gallery

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

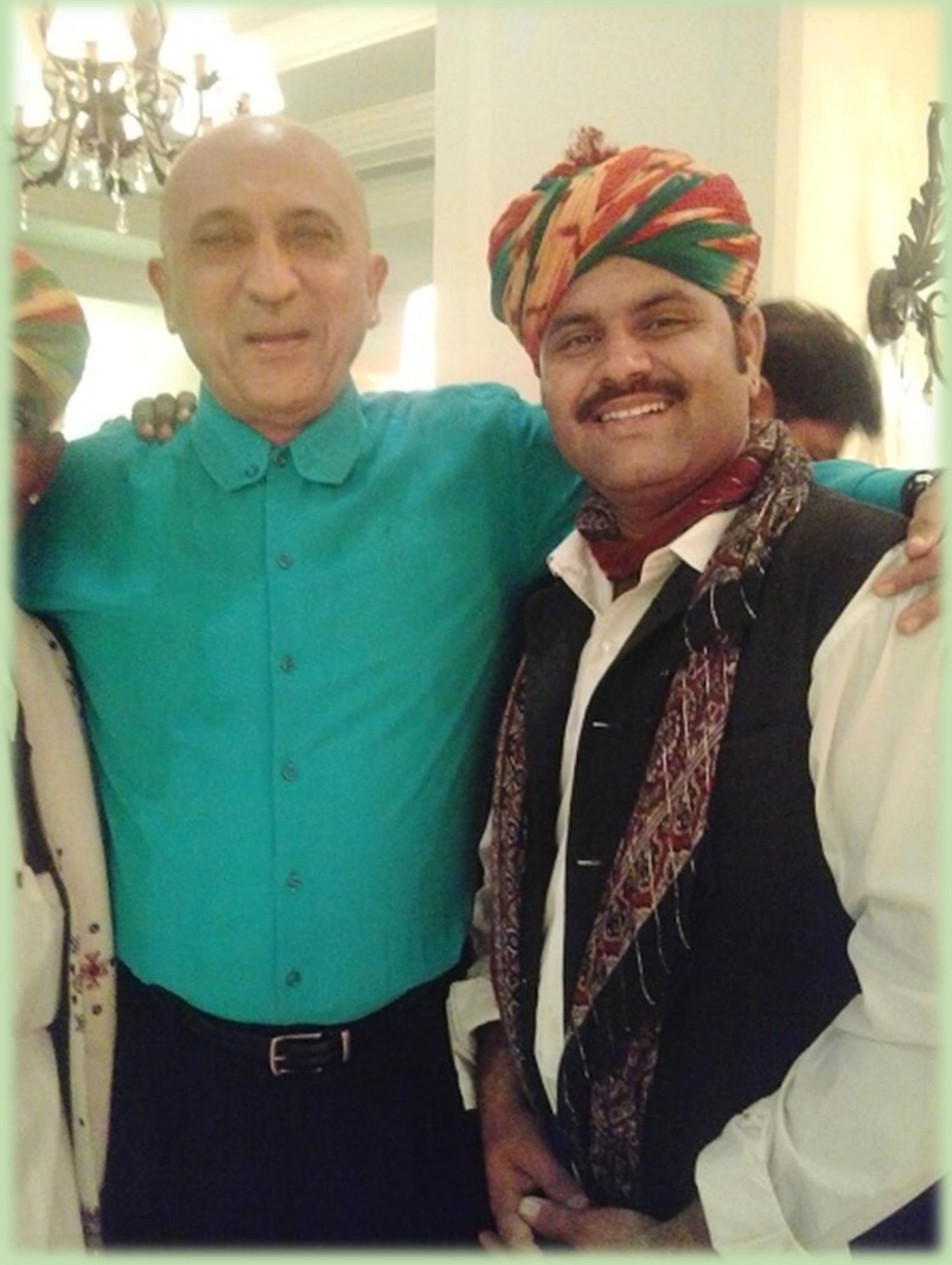

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

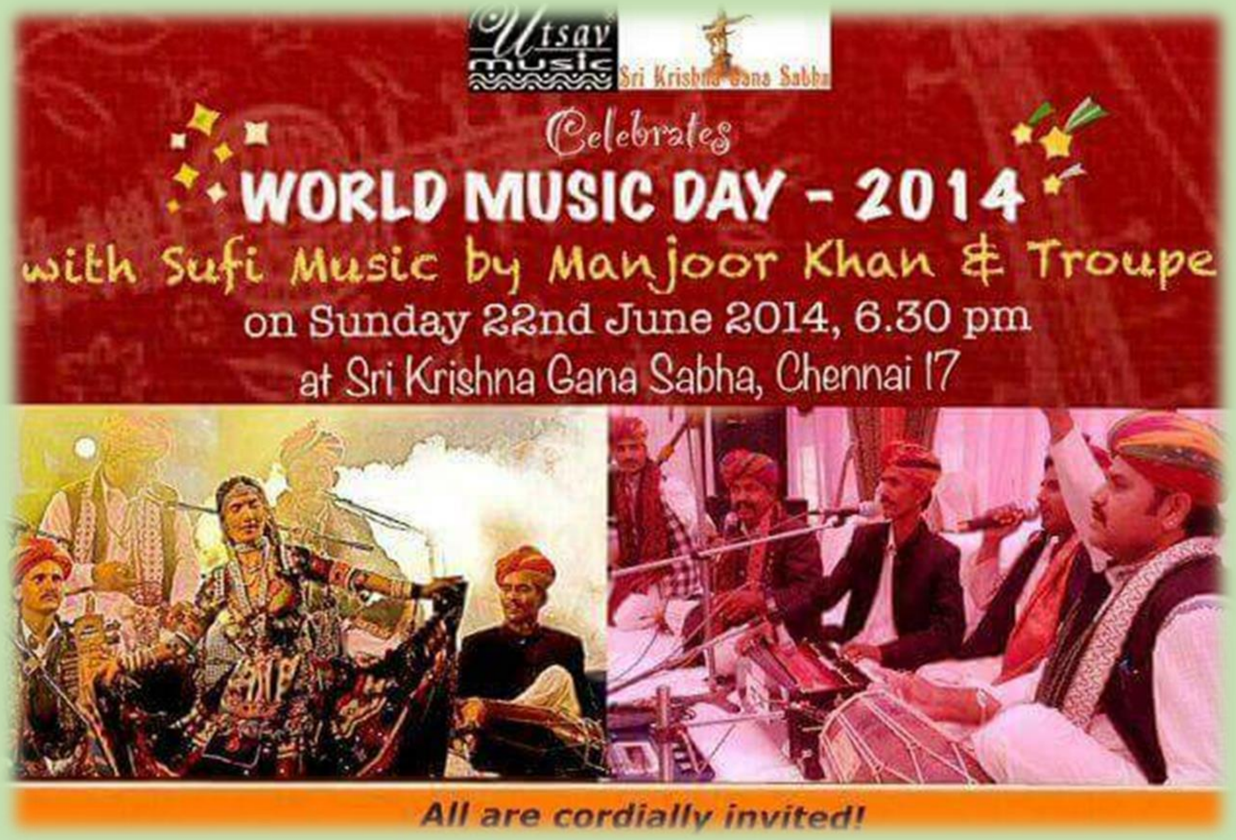

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

Visit us - **www.manganiyar.in**

CONTACT US

Manjoor Khan

Dedriyar

Balewa

Shiv (Barmer)

Rajasthan (india)

+91 9413018972

+91 8290168076

+91 9414382433

sarwanmusic@yahoo.com

www.manganiyar.in